

85

Richard Hall

॥

रुद्र नमो रुद्र गवता सा क
विष्णु सा गवताः सर्वसि
मया शुभ मे क सि सम
जाजाः रुद्र न विह न मि
मद्य म पु ल क कां ग म ल म

म न य न मः वा ॥ ५ ॥ रुद्र न मः
म य क थ लः ॥ ५ ॥ व वा च व
य रुद्र ग व न न दाय न दाना ग
म म शुभ मि न त्व ग रुद्र म हा
रुद्र ग रुद्र संध न सा रुद्र म रुद्र ग

व वा धि स त्व संध नः सा रुद्र म रुद्र ग व ना ग ना रुद्र ग ल सा थं न द्य था ॥ न द न व
ना ग ना रुद्र न उ य न द न रुद्र ना ग ना रुद्र न ॥ सा ग ल न व ना ग ना रुद्र न ॥ अ न
य न थ न व ना ग ना रुद्र न ॥ म न स्थि न व ना ग ना रुद्र न ॥ म हा म न स्थि र्ध न ना ग ना
रुद्र न ॥ म वि मि रुद्र न व ना ग ना रुद्र न ॥ स र्ध न व ना ग ना रुद्र न ॥ व ल य रुद्र न व ना
ग ना रुद्र न ॥ म वि र्ध न व ना ग ना रुद्र न ॥ क रुद्र न व ना ग ना रुद्र न ॥ वि द्य स

मूवेन च नागना कन॥ अवे लस सिखीन च नागना कन॥ मेद्यग किं किन च
नागना कन॥ वव सं रुवन च नागना कन॥ वव वल न च नागना कन॥ उल्काया
कन च नागना कन॥ अकाल गर किं न च नागना कन॥ गर किं न च न च नाग
ना कन॥ विद्युत् माचन न च नागना कन॥ धन निधन न च नागना कन॥ अ
य च न च नागना कन॥ शुद्ध न च नागना कन॥ विद्या न च नागना

२

ना कन॥ मद्य मेद्य गर किं न च नागना कन॥ मद्य मद्य दू स ह न च नागना कन
आ किं न च नागना कन॥ अन न च नागना कन॥ यो न च नागना कन
। अ धन न च नागना कन॥ दुर्द हि स्त न च नागना कन॥ दुर्द हिः निना
द विग की न च नागना कन॥ क म्ब ल न च नागना कन॥ अक
व ल न च नागना कन॥ अ क ह न च नागना कन॥ अ ल न च नागना

ॐ नमः ॥ महागुरु नृगुरु सध्वनवनगना ॐ नमः ॥ किलिकिलि सध्वनवन
 गना ॐ नमः ॥ यस्य सध्वनवनगना ॐ नमः ॥ वर्षभुम्बवनवनगना ॐ नमः ॥ म
 हाया कनिकुर्वि नवनगना ॐ नमः ॥ कट्यम सध्वनवनगना ॐ नमः ॥
 ॥ किकि नवनगना ॐ नमः ॥ श्रीमन् नवनगना ॐ नमः ॥ रुद्रकिकिनवनग
 ना ॐ नमः ॥ म कलनवनगना ॐ नमः ॥ मद्यस्य नवनगना ॐ नमः ॥ मद्य

३

नदि नवनगना ॐ नमः ॥ मद्यसं रुद्रकलनवनगना ॐ नमः ॥ संकुद
 नवनगना ॐ नमः ॥ विकिडिं नवनगना ॐ नमः ॥ वासुकिनवनग
 ना ॐ नमः ॥ अनं वरुधनवनगना ॐ नमः ॥ सुयुहे नवनगना ॐ नमः ॥ प्रियदर्शनः
 नवनगना ॐ नमः ॥ श्रीमादनदि नवनगना ॐ नमः ॥ मद्यन रुद्रकलन
 नवनगना ॐ नमः ॥ सुदर्शनवनगना ॐ नमः ॥ वागसुवनवनगना ॐ नमः

ना॥ का ग के॥ हवनवनागनाजन॥ मनिवडनवनागनाजन॥ धननागेः
कुमहानागनाजन॥ मरुतेः सर्वगवनागनाजेनाः मरुत्यानागनाहः
मरुतानागविद्विर्गनश्चुनाः आकाशमहागुनगुनेनः महावावाकव
वसुमदना हवतेः सञ्जवाकनमामयनधर्मभुवनायवागुरुतेः गेनष
लूनसमयनहगवानः महानागखः साधकालकामेलेहानः साधु

महानागाः आगुरुयः एनागामहानागाः मरुतवद्वमहावि
द्विआलां यमसमाभामहावाकवयथमहानागाः सवयवद्वयस
धर्मसहस्रसहस्र आगुरुमहानागाः सर्ववेद्यं कम्बुद्विगुणुद्वः
मरुद्विहिसिद्वद्वमहानागाह दयसर्वनागना आकुरुत आद्व
सिः सीधुवनस्याताः महामेयविकुर्विते कासनकालेयुहाः सर्वन

तसि सन ह मय द ल विन दाम म कि का हा ल य विगान म हा सम
उ म धेः ॥ ॥ दि य न त विगाना भा विग क म म य ल व सा नः
म हा सम उ म धेः स क न ल ग न न म धी ल य त्व सु म य य ल म य सा न
दि य इ य उ व ल म कि का हा न म म उ म धेः स क न ल ग न न म धी
हं ये हं ॥ ना ना ग मी न व द्धु वि क वि ग धि ल्हा न भु न नि धा वि स म

उ म धेः स क न ल ग न न म धि ल्हा न म हा म धेः वि क वि ग न स य न म
भ न नि धा य स म उ म धेः ना ना न ल दि र्घ वि गान द्य ल्हा स य म म उ म
धेः स स र्व यं कि ग न म न म हा स म उ य य द्धु यी य म क न म ल स म
उ म धेः म हा स म उ म धे म हा नि धा य दि य न त्व स म य सा न नि वि लः
म कि दान य ल म य सा न स म उ म धेः सु व न् शु क य नि म् दि क म हा वि द्या

कनभिषनगगनः सखादयचमहासमदभधोः विविजतत्रमुक्तु
रामकुसगगनसंछादनकसत्तसमदभधोः अतलसनमहासमद
भधोः गगनमहिसखादयकुसर्वनागनाजानआगकुः मलिंयाथ ७
वीमद नगर्ककुवर्षकुहृदृहृइयकुमहाविद्युदसनयुमचकुयः
तुना नोसंदाकनोः ॥ ॥ चकवगायकुगुनयनायकुः महानाम

नांगगननमनियान्तानका निश्चनयभामहाथावयनासराथाप
पुवर्षव्यकुंदद्वयस्याहा ॥ ॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥
गकुर्गिनिर्मकृत्तकृत्तकुर्गो लोनागभआगकुथरव्वव्वव्वहाहा
हाहाकिकिकिकिहृहृहृहृमहामद्यनादनलादनामहावायुम
॥ ॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥
॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥

सर्वनागनासवा दयामिवर्षम् कम् द्वियस्वाहा॥ घृ २२ रु ३ रु
हा २ रु २ संद्यागयथमहा नागम ए धिविमकु सयुववर्षम् घृ २ किनि २
विनि २ मिदि २ दिनि २ किनि २ सर्वकृणानिय निय नराकिसेव सः
स्थानि ए क रुत गुभाषधियुला हय क म ति वि ले नाग रु थ व
घसृश्वनधमसृश्वनसद्यसृश्वन व कृया नि सृश्वन सवनागनास

एन रुन २ महानागनां स्वाहा॥ ॥ यो दसमहा नागना जान सं
यो दयामिवर्षम् सृश्वन रुत रुत द्विययुववर्षम् स्वाहा॥ ॥ श्री गुरु
नागना जान सवा दयामिधर्मसृश्वन रुत रुत द्विययुववर्षम् स्वाहा॥
अन नागना जान सं वा दयामि सं द्य सृश्वन रुत रुत द्विययुववर्षम् स्वा
हा॥ वा न सृ कि नागना अ सं वा दयामिव कृया नि सृश्वन रुत रुत द्वि

कर्मद्विष

८

ययुवव्यं स्वाहा ॥ ककनागनागानसंवा दया मित्रकसखन ह्युवर्व.
स्वाहा ॥ श्रीक ७ नागनागानसंवा दया मिः ७ सखन ह्युवर्व
स्वाहा ॥ नालिननागनागानसंवा दया मित्रुदसेखन ह्युवर्व द्विषयु
वयं स्वाहा ॥ मिनस्विनागनागानसंवा दया मित्राविसखन ह्यु
म्वद्विषयुवर्व स्वाहा ॥ महामनस्विनागनागानसंवा दया मिस्व

नागनासखन ह्युवर्व स्वाहा ॥ य सुगननागनागान
संवा दया मित्रकन ह्युवर्व द्विषयुवर्व स्वाहा ॥ अनन्येनाग
नागानसंवा दया मित्राकसखन ह्युवर्व द्विषयुवर्व स्वाहा ॥
। सर्वनागनागनागानसंवा दया मित्राकसखन ह्युवर्व द्विषयुवर्व स्वाहा ॥
। एतानागनागानसंवा दया मित्राकसखन ह्युवर्व द्विषयुवर्व स्वाहा ॥

हृन् २ सूय २ हा हा हा हा हि हि हि ५ हृति थ थ थ व व व व व व व व व व
आनि जाय दैने थ सर्व स सा नि यु व र्थ थ महा वा गा न य म व थ ऊ ऊ ऊ द द द
यू य द ट टा ट नि वी नि नि सं रु नि सा ह नि कां गु स य क मि व रु नि मा क गी
ऊ य वि ऊ य स्वा हा सर्व महा म द रा र्ज म हा म द ग थ ग ना नां सेवा द य मि
म हा म द श्री न जाय क थ ग ना य म हा म द हृ ट काय क थ ग ना यः

म हा म द स हा य ग थ ग ना यः म हा म द ग र्ज य क थ ग ना य म हा म द सं रु
ना ना य क थ ग ना यः म हा म द ग र्ज वा य क थ ग ना यः म हा म द हृ ग ना य ग थ
ग क यः म हा म द वि ग र्ज न स्व न ना जाय क थ ग ना यः म हा म द सं व र्ज क
य क थ ग ना यः म हा म द गु फ य क थ ग ना यः म हा म द इ न्द्र हि स्व ना य
क थ ग ना यः म हा म द ना ना य ट थ ग ना यः म हा म द श्री न ऊ य थ ग

यमसुमयशुद्धाय न भगवाय मलामय न कृपाय न भगवायः मलः
मयवाक्यमकुत्तिनाकाय न भगवायः मलमय मय मयिष्टिना कय
न भगवायः मलामय स्यात्स्वगमय नंदि न न भगवायः मलामयानु न १०
न न सदाय न भगवायः मलामय मय मय न भगवायः मलामय
विकर्षेन नाकाय न भगवायः मलामय मंग स्याय न भगवायः सध्वः

इनामविष्णु न न सर्व वाधि हर्षनाम विहर्षनाम विहर्षनाम न न सर्वनाम
ना सत्यन सवक्षगददयां सदादया मिश्रयुं नाग रुध न न गयय वम
न न न न ह यः लो लो नाग रुध न न व र सन न कृ ट र मा वि स न य व द
ह ल नां ग रुधः भर्त्ता सत्य नाग रुधः सदा सत्य नाग रुधः सर्वनाम म
हा नाग उययय निस सत्य न व र यः न व द्विय स्या हा हा हा न न ना हा हा

गायत्री साहनाग वि कुर्वन्मः संद्य न न म सा वयं धाय न कु कु न म विद्याः
 सा साः ना ग धिर्म ना दा पु न कु ना पु रा वय नो गु न र ना रा र वे द र ना गि नि
 सा सा हि ति ना रा ना गि नि ना रा वि स्क रु नि मा सा नि मा न का न ति ना नू न व
 गा ल क वि ल क श्री वि क रु ड धि रु य न क जू क इ र मा वि म्ब य वि क
 क नि धा न नू यि नि का ल जू का ल रा डि नि सर्व म दो वि क र्व नि स रु र

29

नि सर्व अ उ मा यु न ति व कु य कु व हि हि नि र व मि र सा न र का लि र म साः
 का लि द्द द यं वि स अ उ म ठ स व ना रा क र्व निः पे न य र रु न त्व उ य वि क
 वि नः व की नी स व ना रा रां का द नि सा सा ॥ ॥ उ न मा न त्व उ य य न म
 : व उ व उ या न य म सा रु र स ना य न यः वं च र स नू य का नू यि पी य स्वा हा
 वि व ल क नि क स क रु क न रु ति व च का र्यः य व म वं च का सा रु न

के कृत्तनक्राविभननः अयं वा क म कुलियनिवर्तः सर्वनागद्वद
 यनामः यं वा तयि क यंः अयं वचिं नहि सफा रुगमयन पूर्वस्याः
 दिसि डिजीवा नाम नागना काः यनि वा ना अ नि दिव क यंः द कि न ह्य
 दिसि यथु सि इवः यु स्म गननागना का न सफ सि धाना मयलि वा स अ
 नि दिव क यंः यधि मस्या दिसि अ व ल स न सि इवा ना म नागना का सफ

१२

७

सिधाना मयलि वा ल न लि वि क यं ॥ उरु स न ग द्य सं सो द ना ना म नाग वा
 जानः वशिष्ठा श्री ज य नि क यंः सय नि वा ल नि च वि ना न न व न कु नि च
 अ ऊ स र्वा श्व नी ला व नि क रु यंः ना ग ना नी म अ व लि मि म अ व ल न व
 सफ रु किः ना ग द द य नः मे द ना का न अ वि व ज य यि न वः व र्णा अ व
 मय रा कुः अ या वा व स द ग मा ना अ न वि दू व का ल मा ला ल इ व स

लिका लोचिका नाग कल्ल मासक थम धरु का निरु दिग्ध नि उदा न च
 उवसिक रु रग वने मे द्य स स्या व सो ह को य न थ म ना या इ ह ने सं
 म्य द्वा व धाय न मा रग न मे द्य मा वि न न थ म ना या ५ ह ने स म्य द्वा
 व धाय ॥ न मा र व न मे द्य वि कु नी य न थ म ना या इ ह ने स म्य द्वा व
 धाय न म रग व न मे द्य स या य न थ म ना या इ ह ने स म्य द्वा व धाय

१३

न मा र्ग सं वा द या मि ह व स व नी ग व न मे द्य व का य न थ म ना या इ ह ने
 स म्य द्वा व धाय ॥ न मा रग व न मे द्य व का य न थ म ना या इ ह ने स म्य द्वा व धाय
 य ॥ न मा रग व न मे द्य व का य न थ म ना या इ ह ने स म्य द्वा व धाय ॥ न
 मा रग व न मे द्य वि न द का य न थ म ना या इ ह ने स म्य द्वा व धाय ॥ न
 मा रग व न मे द्य ना ना य न थ म ना या इ ह ने स म्य द्वा व धाय ॥ न मा र

सर्वकर्मयोगार्थनायक भगवायार्ह इति सम्यक् संवत्सराय ॥ नमो रगाव
कर्मयोगविनीतिका म धननाया इति संम्यक् संवत्सराय ॥ नमो रगावकर्म
योगनामस्तीर्णवत्सर्वसत्त्वानां मेति स्वन्तु सर्वसंस्तुते म् स्वन्तु सर्व
शिवगणनां शास्त्रानुःसदगणयः नमः सर्वनिवर्तक विस्वरिपु सिः
इति सर्वकथागठविधिः सर्ववत्सवत्सो किं विधिः कथायाः स्मृते

स्वाहा ॥ यः कश्चिदसि सत्सुकः रिक्ता रिक्ता निवाउयासका वाउया सि
का वाञ्छु विनक्तु यादृकः मेति विरुः ॥ नमो विद्वत्तामनां नानिनिः
दिवत्ताञ्छु विनाः आसनस्तु ययिः स्वयं भय कठरु काम क्रीययाका
ज्ञापक सर्ववानागनामनामनियति वरुयनः मेति नयका कृत्या
अनाय विस्वरुयवति नृपु वरुयि न वदे वा रुदिवति ॥

न सा मंदा ल सा या म स उ आ क म भु सि य लि व र्कः य च्च य दि व म
व स यि न नान च न नि म आ य न ॥ वा षु ल मं ग न ल व न ॥
अ या उ स व र्क जू मी सा नि य र्ग मा स य यु च म स र्क न स य मि उ ल



85